राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा के विकास–प्रयासों को और अधिक तेज किया जाएगा–राज्यपाल

पटना, 16 जनवरी 2019

''राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा के विकास–प्रयासों को और अधिक तेज किया जाएगा। विगत वर्ष में उच्च शिक्षा में कुछ मूलभूत सुधार किए गए हैं एवं इस वर्ष प्रगति को और अधिक बहुआयामी और व्यापक बनाया जाएगा।'' –उक्त उद्‌गार, आज महामहिम राज्यपाल ने राजभवन में आयोजित 'विमर्श' कार्यक्रम के दौरान कुछ मीडिया–प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि 'अकादमिक एवं शिक्षा–कैलेण्डर' को प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप नामांकन, वर्ग–संचालन, परीक्षा–आयोजन, परीक्षाफल–प्रकाशन तथा दीक्षांत–समारोह आयोजित करते हुए डिग्री–वितरण के काम समय से हो जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि 'बायोमैट्रिक उपस्थिति' के जरिये शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की हाजिरी सुनिश्चित करायी जा रही है। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी पूरी करने के उद्देश्य से बी॰पी॰एस॰सी॰ के मानकों के अनुरूप 'गेस्ट टीचर्स' की रोस्टर एवं रिक्ति के आलोक में उनकी नियुक्ति–प्रक्रिया इसी माह पूरी कर लेने को कहा गया है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में आर॰टी॰जी॰एस॰ के जरिये डिजिटल वेतन–भुगतान, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के वेतन–सत्यापन, सेवान्त लाभ के मामलों में तत्परता बरतने, 'GeM' के जरिये हर तरह की खरीददारी करने, RUSA, UGC एवं राज्य सरकार से प्राप्त आबंटनों का ससमय 'उपयोगिता प्रमाण–पत्र' भेजने जैसे निर्णय लेकर विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन कायम करने के सार्थक प्रयास हुए हैं।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि पी॰जी॰ स्तर पर 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' लागू करते हुए आधुनिक पाठ्यक्रम को निर्धारित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में University Management Information System (UMIS) का कार्यान्वयन इस वर्ष हो रहा है, जिससे शिक्षकों एवं छात्रों को काफी सुविधाएँ हो जाएँगी। राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के विकास हेतु राज्य सरकार पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण तथा सुदृढ़ीकरण हेतु आबंटन उपलब्ध कराने हेतु राज्य सरकार को कहा गया है। राज्यपाल ने कहा कि 'National Academic Depository (NAD)' के कार्यान्वयन के जरिये छात्रों को अंक–पत्र, प्रमाण–पत्र आदि अब सहजतया उपलब्ध हो सकेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शोध–गतिविधियों को गुणवत्तापूर्ण बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'Centre of Excellence' के रूप में महाविद्यालयों को विकसित करने के साथ–साथ विश्वविद्यालयीय शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाये जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने कहा कि आगामी 4–5 फरवरी, 2019 को दो–दिवसीय 'राष्ट्रीय परिसंवाद' का कार्यक्रम राजभवन में आयोजित होगा, जिससे उच्च शिक्षा के विकास का 'ब्लू प्रिन्ट' तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयीय गतिविधियों में अनियमितता करने वाले अब बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक कुलपति को आवश्यक जाँचोपरांत पदमुक्त भी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन के लिए विश्वविद्यालयों के बीच स्वस्थ सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का भाव पैदा करने के उद्देश्य से 'चांसलर अॅवार्ड' भी इस वर्ष वितरित किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए उम्दा प्रदर्शन करनेवालों के चयन का काम शीघ्र पूरा कर लिया जायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन की लोकोन्मुखता और गतिविधियाँ भी बढ़ाने के लिए कई काम हुए हैं। उन्होंने इस क्रम में राजभवन में पहली बार 'संविधान दिवस' के आयोजन में माननीय पटना उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति एवं अन्य सभी न्यायाधीशों के सहयोग को रेखांकित करते हुए इसे एक महत्त्वपूर्ण आयोजन बताया। उन्होंने बताया कि 'गाँधीवाद' पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन, 'गाँधी जयन्ती' की पूर्व संध्या पर भजन एवं सूफी गीतों का गायन कार्यक्रम आयोजित करने, 'राजभवन संवाद' नामक मासिक पत्रिका तथा 'The First Address' नामक राजभवन पर आधारित कॉफी–टेबुल बुक प्रकाशित करने को विगत वर्ष की राजभवन की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों के रूप में चिह्नित करते हुए कहा कि आगामी 13 फरवरी, 2019 को राजभवन में बिहार भर से चयनित किसानों को आमंत्रित करते हुए 'उद्यान प्रदर्शनी' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में फल, फूल, सुगंधित पौधा और सब्जी प्रक्षेत्र में उत्कृष्ट उत्पादन करनेवाले किसानों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

महामहिम राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष राजभवन में आगामी 22 जनवरी को अमर शहीदों की 51 वीरांगना विधवाओं में प्रत्येक को 51 हजार रूपये एवं प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित भी किया जायेगा।

आज प्रिन्ट मीडिया–प्रतिनिधियों को राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह एवं राज्यपाल सचिवालय के 'परामर्शी' (उच्च शिक्षा) एवं प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो॰ आर॰ सी॰ सोबती ने भी संबोधित किया तथा कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा के विकास प्रयासों को पूरी व्यापकतापूर्वक कार्यान्वित किया जाएगा। आज के 'विमर्श' कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल ने 'राजभवन संवाद' पत्रिका के दूसरे वर्ष में प्रवेश पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसके जनवरी, 2019 अंक को लोकार्पित भी किया। कार्यक्रम में कई अखबारों के सम्पादकों/प्रतिनिधियों आदि ने भी उच्च शिक्षा को लेकर अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव दिये।

.....